# सीएसआईआर-सीरी में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

## वार्षिक विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण' का विमोचन

सीएसआईआर-सीरी में दिनांक 10 जनवरी, 2024 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन सादे किंतु गरिमामयी ढंग से किया गया। इस उपलक्ष्य में संस्थान में वैज्ञानिक वेबिनार का आयोजन किया गया। एम एस टीम्स के माध्यम से आयोजित वेबिनार में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थी छात्रा द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतीकरण/व्याख्यान दिए गए। ऑनलाइन आयोजित वेबिनार में संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों सहित मुख्य वैज्ञानिक डॉ शशिकांत संदिस्तप, डॉ सुचंदन पाल, डॉ यू एन पाल, प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण एवं वेबिनार के वक्ताओं सहित कार्यक्रम के संयोजक श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी एवं अन्य सहकर्मी व प्रतिभागी उपस्थित थे। संस्थान के कार्मिकों के अलावा वेबिनार में कुछ सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के कार्मिक भी जुड़े। इस अवसर पर डॉ. सदिस्तप एवं अन्य मंचस्थ अधिकारियों द्वारा संस्थान की विज्ञान पत्रिका **इलेक्ट्रॉनिक दर्पण 2023** का विमोचन भी किया गया। डॉ. सदिस्तप ने वेबिनार में प्रस्तुतीकरण देने वाले वैज्ञानिकों **को प्रशस्ति पत्र** भी भेंट किए। इस अवसर पर सीएसआईआर-एनबीआरआई के पूर्व प्रशासन नियंत्रक श्री मुकुंद सहाय भी उपस्थित थे।

विश्व हिन्दी दिवस समारोह में अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ शशिकांत सदिस्तप, मुख्य वैज्ञानिक

विश्व हिन्दी दिवस के मुख्य समारोह की अध्यक्षता **डॉ शशिकांत सदिस्तप**, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने सभी को विश्व हिन्दी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे संस्थान में हिन्दी का उपयोग अनवरत रूप से बढ़ा है। देश-विदेश में हिन्दी के प्रसार के लिए भारत सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा और प्रोत्साहन से ही हिन्दी का समुचित प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक देशवासी का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह अपनी भाषा पर गर्व करे। उन्होंने युवा सहकर्मियों का आह्वान किया कि वे डिजिटल टूल्स के उपयोग से हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग कर उसका प्रसार बढ़ाएँ। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनेगी।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए
श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित सहकर्मी

इस अवसर पर प्रशासन नियंत्रक **श्री जय शंकर शरण** ने अपने व्याख्यान में हिन्दी की एतिहासिक पृष्ठभूमि, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी के विकास में आने वाली बाधाओं और उनके समाधान पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी की वैश्विक स्थिति और संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारी हिन्दी

संस्कृत परिवार की भाषा है और यह संख्या की दृष्टि से विश्व में बोली जाने वाली दूसरी बड़ी भाषा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक देशवासी का यह नैतिक कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा का यथोचित सम्मान करें और गर्व से इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हम सभी को न केवल अपने कार्यालयी अपितु सामाजिक जीवन में भी हिन्दी का अधिकाधिक और बेहिचक उपयोग करना चाहिए।

वार्षिक विज्ञान पत्रिका इलेक्ट्रॉनिक दर्पण (वर्ष 2023, अंक 7) का विमोचन करते हुए मंचस्थ अतिथिगण

**'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण' (वर्ष 2023, अंक 7) का विमोचन**

मुख्य समारोह के दौरान संस्थान की वार्षिक विज्ञान पत्रिका इलेक्ट्रॉनिक दर्पण (वर्ष 2023, अंक 7) का विमोचन किया गया। पत्रिका में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के शोधपत्र/वैज्ञानिक आलेख प्रकाशित किए गए हैं।

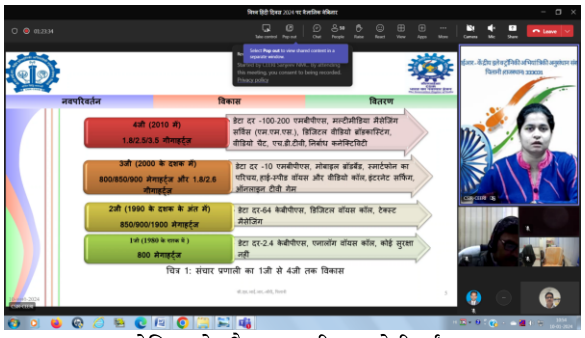

वेबिनार के दौरान प्रस्तुतीकरण देती हुईं
सुश्री शिप्रा भाटिया, पीएचडी छात्रा (एसीएसआईआर)

**वैज्ञानिक वेबिनार का आयोजन** – विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:कालीन सत्र में आयोजित वैज्ञानिक वेबिनार से हुआ। वेबिनार में कुल तीन व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण दिए गए। एम एस टीम्स के माध्यम से आयोजित किए गए वैज्ञानिक वेबिनार में संस्थान के सहकर्मियों के अलावा कुछ सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के सहकर्मी भी जुड़े थे।

**सत्राध्यक्ष :** डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, सेमिकंडक्टर सेंसर्स एवं माइक्रोसिस्टम्स समूह

**संचालन :** डॉ मनिन्दर कौर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

वेबिनार का संचालन करती हुईं
डॉ मनिन्दर कौर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

वेबिनार के दौरान प्रस्तुतीकरण देते हुए डॉ गौरव पुरोहित, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डॉ राहुल प्रजेश, प्रधान वैज्ञानिक

सर्वप्रथम डॉ सुचंदन पाल ने ऑनलाइन जुड़े सभी दर्शकों/श्रोताओं को विश्व हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा सहकर्मियों एवं वैज्ञानिक वेबिनार के वक्ता ओं का स्वागत किया। डॉ मनिदर कौर ने प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व दर्शकों/श्रोताओं को वक्ताओं का संक्षिप्त परिचय दिया। वेबिनार में प्रस्तुत व्याख्यानों/प्रस्तुतीकरणों का विवरण निम्नवत है:

**1. शीर्षक :** 5-जी वायरलेस तकनीक एवं मिलीमीटर तरंग संचार

**वक्त्री :** सुश्री शिप्रा भाटिया, पीएचडी छात्रा (एसीआईआर)

**2. शीर्षक :** एआईओटी अनुप्रयोगों के लिए ट्रांस्फर लर्निंग को सक्षम बनाना

**वक्ता :** डॉ गौरव पुरोहित, प्रधान वैज्ञानिक

**3. शीर्षक :** मेम्स आधारित आईआर एमिटर का अभिकल्पन एवं विकास

**वक्ता :** डॉ राहुल प्रजेश, प्रधान वैज्ञानिक

वक्ताओं ने अपने प्रस्तुतीकरणों के माध्यम से सहकर्मियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। वक्ताओं ने श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। डॉ शशिकांत सदिस्तप ने सभी वक्ताओं को **प्रशस्ति पत्र** भेंट कर सम्मानित किया।

डॉ. शशिकांत सदिस्तप से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए
सुश्री शिप्रा भाटिया, डॉ गौरव पुरोहित एवं डॉ राहुल प्रजेश

अंत में इलेक्ट्रॉनिक दर्पण प्रकाशन समिति के अध्यक्ष **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक ने संस्थान के निदेशक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयोजन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने के लिए सभी सहकर्मियों के प्रति **धन्यवाद ज्ञापित** किया।

विश्व हिन्दी दिवस समारोह के अंत में धन्यवाद
ज्ञापित करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

साथ ही उन्होंने वैज्ञानिक पत्रिका की प्रकाशन समिति के सदस्यों, तकनीकी सहयोग प्रदान करने वाले कार्मिकों सहित सभी लेखकों को भी धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।

विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम का संचालन करते हुए
श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी

इससे पूर्व प्रात:कालीन सत्र में कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम के संयोजक **श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी** ने सभी सहकर्मियों एवं प्रतिभागियों को विश्व हिन्दी दिवस की बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर आयोजन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए विश्व हिन्दी दिवस मनाए जाने के ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी और वेबिनार की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य समारोह में श्री रमेश बौरा ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों एवं सहकर्मियों को पूर्वाह्न आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी।

इस प्रकार संस्थान में विश्व हिन्दी दिवस समारोह गरिमामयी ढंग से आयोजित किया गया।

---